



सरकारी गजट, उत्तरांचल

उत्तरांचल सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण

विधायी परिषिष्ट

भाग-४, खण्ड (ख)
(परिनियत आदेश)

देहरादून, मंगलवार, १३ फरवरी, २००१ ई०

माघ २४, १९२२ शक सम्वत्

उत्तरांचल शासन

वन् एवं ग्राम्य विकास शाखा
कृषि अनुभाग

संख्या ३४८/कृषि/२०००-२००१

देहरादून, १३ फरवरी, २००१

अधिसूचना

प० ३००-०१९

आवश्यक वस्तु अधिनियम, १९५५ (अधिनियम संख्या १० सन् १९५५) की धारा ३ के अधीन बनाये गये बीज (नि: त्रण) आदेश, १९८३ के खण्ड ११ के अधीन शवित का प्रयोग करके राज्यपाल इस अधिसूचना के प्रबन्ध में लाकाशित होने के दिनांक से उपर्युक्त आदेश के प्रयोजन के लिये परियोजना अधिकारियों/जिला कृषि अटि कारियों को उनके अपने कर्तव्यों के अतिरिक्त अनुज्ञापन प्राधिकारी नियुक्त करते हैं और निर्देश देते हैं-“ ऐसे अनुज्ञापन प्राधिकारी अपनी शक्तियों का प्रयोग अपनी-अपनी अधिकारिता के भीतर करेंगे। बीज (नि: त्रण) आदेश, १९८३ के खण्ड १६ के अधीन शवित का प्रयोग करके राज्यपाल, कृषि निदेशक उत्तरांचल को “अपील प्राधिकारी” नियुक्त करते हैं।

आज्ञा से,

(डॉ आर० एस० टोलिया)

प्रमुख सचिव एवं आयुक्त,
वन् एवं ग्राम्य विकास।